

ये अव्यक्त इशारे

सच्चे दिल से साहेब राज़ी कर परमात्म दिलतख्त नशीन बनो

12-12-2022

जो बच्चे स्व-पुरुषार्थ का सच्चा समाचार देते हैं उन पर बाप राज़ी रहता है लेकिन स्वयं भी स्वयं के संस्कारों से, संगठन से राज़युक्त अर्थात् राज़ी रहो। एक-दो के संस्कारों के राज़ को, परिस्थियों को जानकर चलो, यही राज़युक्त स्थिति है। बाकी सच्चे दिल से अपना पोतामेल देते हो तो पिछला खाता समाप्त होता है और स्नेह की रुहरिहान सदा समीपता का अनुभव कराती है।

Imbibe honesty and cleanliness and please the true Lord

The Father is pleased with the children who give honest news of their own efforts, but then you also have to be pleased with your own sanskars and with the gathering. Continue to move along knowing the secrets of one another's sanskars and circumstances – this is the stage of being raazyukt (knowing all secrets). When you give your chart with an honest heart, the past accounts finish and the loving heart-to-heart conversations brings closeness.